News Date	08-08-2018
Publication	Veer Arjun
Media Type	Newspapers
Publication Type	Regional Daily Newspaper
Page No.	9
Language	Hindi
Edition	New Delhi

पीएनबी मेटलाइफ बैडमिंटन : आठ युवा शटलर बने चैंपियन

नई दिल्ली, (खेस)। पीएनबी मेटलाइफ जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप (जेबीसी) 2018 के चौथे संस्करण का शानदार समापन राजधानी के त्यागराज स्टेडियम में आयोजित पुरस्कार समारोह के साथ हुआ और इस दौरान चार श्रेणियों अंडर-9, अंडर-11, अंडर-15 और अंडर-17 में आठ युवा शटलर्स को विजेता घोषित किया गया।

भारत के लीजेंड बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि देश में यह खेल तेजी से लोकप्रिय होता जा रहा है और इन युवा प्रतिभाओं को देखते हुए कहा जा सकता है कि बैडमिंटन में देश का भविष्य सुरक्षित है। उन्होंने कहा, ठमुझे यह देखते हुए बहुत खुशी हो रही है कि बैडमिंटन ने हाल के दौर में कितनी प्रगति कर ली है कि आज यह भारत में दूसरा सबसे ज्यादा खेले जाने वाला खेल बन गया है। एक कोच के रूप में मैं पीएनबी मेटलाइफ द्वारा जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप जैसी स्पर्धाओं को महत्वपूर्ण मानता हूं, जिनकी वजह से इस खेल का बहुत विकास हुआ है।ठ समापन समारोह में भारत के दूसरे सबसे बड़े पीएसयू ऋणदाता पीएनबी के प्रबंध निदेशक सुनील मेहता विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। टूर्नामेंट में इन विजेताओं के साथ पीएनबी मेटलाइफ ने लड़कों और लड़कियों के समूहों में प्रत्येक श्रेणी के लिए उपविजेता और सेमीफाइनल में पहुंचने वाले चोटी के दो खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया।

पीएनबी मेटलाइफ बैडमिंटन के विजेता खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण के साथ।

प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के एक बड़े पूल तक पहुंचने के लिए इस साल यह आयोजन 10 शहरों में किया गया जबकि पिछले साल इसका आयोजन 8 शहरों में किया गया था। इस साल प्रतिभागियों की संख्या 8500 तक पहुंच गई थी जबकि प्रतियोगिता के पहले साल यानी 2015 में यह संख्या सिर्फ 3000 थी।

32 शटलर्स द्वारा जीते गए पुरस्कारों के अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचानने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए 16 छात्रवृत्तियां भी प्रदान की गई। सीएसआर पार्टनर चाइल्ड राइट्स एंड यू (सीआरवाई) के सहयोग से पीएनबी मेटलाइफ ने सीआरवाई केंद्रों से 64 बच्चों को प्रशिक्षित करने के लिए सहयोग किया है, जिनमें से 16 छात्रों ने सालाना छात्रवृत्ति जीती है।